भीलवाड़ा की नेहरू तलाई में लाखों की तादात में मछलियों व जलीय जीवों की मौत

मछलियों व जलीय जीवों की मौत का कारण नेहरू तलाई में नालों का गंदा पानी आना, गंदगी होना व समय पर सफाई नहीं होना बताया जा रहा है

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर विकास न्यास द्वारा निर्मित नेहरू तलाई में लाखों मछलियों एवं जलीय जीवों की मौत हो गई। इसकी वजह नेहरू तलाई में नालों का गंदा पानी आना, गंदगी होना व समय पर सफाई नहीं होना बताया जा रहा है। मृत मछलियां तलाई के किनारे पानी के ऊपर तैर रही हैं। ये विभिन्न साइज की है। हजारों मछलियों ने तो शैशवावस्था में ही दम

- **पानी पर तैर रही है मृत मछलियां, पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त सड़ांध फैल रही है, आसपास रहने वाले लोग परेशान हो रहे हैं**

तोड़ दिया। पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त सड़ांध फैल रही है। आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं।

इसकी सूचना मिलने पर पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू नेहरू तलाई पहुंचे। उन्होंने यहां के हालात पर नाराजगी जताई। जाजू ने दावा किया कि यहां लाखों मछलियां व जलीय जीव मरे हैं। नेहरू तलाई में चारों ओर पॉलीथिन, डिस्पोजेबल व अन्य कचरा फैला है। तलाई के पास ट्रेन ट्रैक के आसपास भी गंदगी है। तलाई की दीवारें कई जगह से टूट चूकी हैं और तालाब में गिर गई है। इन सब हालात को दर्शाते हुए उन्होंने दस दिन पहले जिला कलेक्टर व यूआईटी सेक्रेट्री को पत्र भी लिखा था, पर नेहरू तलाई की सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यदि समय रहते सफाई हो जाती तो आज ये दिन नहीं देखना पड़ता। जाजू ने मांग की है कि नेहरू तलाई का विकास मानसरोवर झील की तर्ज पर किया जाए। यूआईटी ने मानसरोवर झील के लिए 20 करोड़ रुपए की योजना बनाई है, उसी तरह नेहरू तलाई के चारों ओर विकास कराया जाए, स्वच्छ जल भरा जाए, गंदे नाले बंद किए जाएं, नौका विहार शुरू हो, पानी को साफ करने के लिए ईटीपी प्लांट लगाया जाए ताकि फिर से ऐसी घटना न हो। यूआईटी की पटेल नगर में बनी मानसरोवर झील में पहले भी हजारों मछलियों ने दम तोड़ दिया था। तब भी वे पानी पर तैरती रही। कई दिन तक मृत मछलियों को हटाया नहीं गया था। तब भी मत्स्य विभाग और यूआईटी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहे। आज भी मानसरोवर झील में जलकुंभी जमी है। पानी तो दिखाई ही नहीं देता। ऐसे में जलीय जीवों का जीवन संकट में होना तय है।

भीलवाड़ा में नगर विकास न्यास द्वारा निर्मित नेहरू तलाई में लाखों मछलियों एवं जलीय जीवों की मौत हो गई।

ट्रेन की चपेट में आई दो सगी बहनें, दोनों की मौत

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के सुभाष नगर रेलवे फाटक और दौराई रेलवे स्टेशन के बीच शुक्रवार को दो सगी बहनें रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। मौके पर पहुंची जीआरपी और रामगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिए।

रामगंज थाने के हैडकांस्टेबल विजेंद्र सिंह ने बताया कि चन्द्रवरदायी

- **रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से हादसा हुआ**
- **दोनों बहनें किसी काम से घर से निकली थी और रेलवे ट्रैक पार कर रही थी**

नगर निवासी कौशल्या देवी और मलूसर रोड निवासी उनकी बहन माया देवी दोनों बहनें किसी काम से घर से निकली थीं और रेलवे ट्रैक पार कर रही थीं। उसी दौरान तेज गति से ट्रेन आ गई। दोनों बहनें घबरा गईं और पटरी पार नहीं कर सकीं, जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। दौराई रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को हादसे की जानकारी दी। साथ ही रामगंज थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों बहनों के शवों को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल के चीरघर में रखवाया। मृतक कौशल्या के पति भीखाराम ने दोनों की शिनाख्त की। इधर पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में दो नवजात बच्चों के शव मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब दो नवजात बच्चों के शव परिसर में पड़े मिले।

जानकारी के अनुसार, अस्पताल में कार्यरत एक महिला सफाईकर्मी ने हॉस्पिटल परिसर में स्थित कचरे के ढेर में दो नवजात बच्चों के शव पड़े देखे तो अस्पताल में तैनात होमगार्ड के जवान को सुचित किया। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और दोनों नवजात बच्चों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की गंभीरता से जांच

- **महिला सफाईकर्मी ने हॉस्पिटल परिसर में स्थित कचरे के ढेर में दो नवजात बच्चों के शव पड़े देखे**
- **अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है पुलिस**

कर रही है। यह घटना पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

पीएमओ डॉक्टर अरुण गौड़ ने बताया कि महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में अग्रवाल भवन वाले गेट के पास कचरे के ढेर में दो मासूम बच्चों के भ्रूण मिले हैं। उन्होंने बताया कि भीमगंज पुलिस और मेडिकल जूरिस्ट को सूचित कर दिया गया है और अस्पताल प्रशासन द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन भ्रूणों को वहां किसने और क्यों फेंका। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

प्रदेश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो जोधपुर में आकार लेने लगा

जोधपुर, (कासं)। देश में बिजली की रफ्तार से बेहतर कनेक्टिविटी दे रही सेमी हाईस्पीड वंदे भारत सुपरफास्ट ट्रेनों के रखरखाव के लिए प्रदेश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के उपनगरीय भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के पास अब आकार लेने लगा है। रेलवे ने 167 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले अत्यंत महत्वाकांक्षी वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है तथा इसके लिए भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार और वॉशिंग लाइन के बीच करीब 600 मीटर लंबे क्षेत्र में इसका निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर करवाया जा रहा है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि 167 करोड़ रुपए की लागत वाली यह महत्वपूर्ण परियोजना प्रदेश में अपने तरह की पहली सुविधा होगी और इससे जोधपुर को समूचे भारतीय रेलवे में वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने बताया कि देश में चार वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो बन रहे हैं जिसमें से एक जोधपुर में स्थापित किया जा रहा है जो ढांचागत दृष्टि से काफी आकार ले चुका है तथा इसमें 600 मीटर लंबी 3 पिट लाइनों का निर्माण कराया जा रहा है जिससे एक साथ तीन वंदे भारत ट्रेनों का मेंटेनेंस एक साथ किया जा सकेगा। इसके साथ ही 900 मीटर लंबी एक व्हील लैथ व ड्राप पिट लाइन का निर्माण भी प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि यात्री सुविधाओं में विस्तार और रेलवे के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से जिस तरह से देश में वंदे भारत ट्रेनों का तेजी से संचालन प्रारंभ किया जा रहा है, उनके मेंटेनेंस संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए जोधपुर में बनने वाले इस वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण भी तेजी से पूरा करने के निर्देश मिले हैं तथा इस लिहाज से इसे इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस संबंध में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता मेजर अमित स्वामी ने बताया कि वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो एक ही समय में तीन वंदे भारत ट्रेनों का निरीक्षण करने में सक्षम होगा तथा इसमें संपूर्ण ट्रेन रैक को उठाने, ड्राप पिट टेबल का उपयोग कर बोगियों को स्थानांतरित करने और व्हील टर्निंग सिस्टम के लिए उन्नत व आधुनिक मशीनरी स्थापित होगी जो वंदे भारत ट्रेनों का निर्बाध रखरखाव और मेंटेनेंस सुनिश्चित करेगी।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा मेंटेनेंस डिपो :- डिपो में उन्नत व्हील टर्निंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। ड्राप पिट टेबल के उपयोग से बोगियां स्थानांतरित होगी। रखरखाव उपकरणों के लिए एक उन्नत परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रावधान शामिल है। वंदे भारत ट्रेन के बाहरी हिस्सों की धुलाई के लिए अत्याधुनिक व स्वचालित वाशिंग प्लांट की स्थापना की जाएगी। संपूर्ण वंदे भारत ट्रेन के ट्रैक के लिए सिंक्रोनाइज्ड लिफ्टिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। डिपो में वंदे भारत ट्रेन की बोगी व्हील और एयर ब्रेक सिस्टम का रखरखाव होगा।

शिकारी पक्षी "स्टेपी ईगल" को बचाने के लिए ग्लोबल एक्शन प्लान बनेगा

प्रवासी प्रजातियों पर कजाकिस्तान में हुए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में सूचीबद्ध किया गया

बीकानेर, (निसं)। विश्व के सबसे बड़े शिकारी पक्षी स्टेपी ईगल के संरक्षण को लेकर ग्लोबल एक्शन प्लान बनाया जाएगा। प्रवासी प्रजातियों पर कजाकिस्तान में हुए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (सीएमएस) में इसे सूचीबद्ध किया गया है। आईयूसीएन रेड लिस्ट में स्टेपी ईगल की 'लुप्तप्राय' स्थिति को स्वीकार करते हुए, रैप्टर्स एमओयू के तकनीकी सलाहकार समूह ने इस प्रजाति की तेजी से घटती संख्या को थामने के लिए एक वैश्विक कार्य योजना के निर्माण को प्राथमिकता दी है।

गिद्ध के बाद स्टेपी ईगल ही सबसे बड़ा पक्षी है, जिसे बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। कजाकिस्तान की राजधानी अस्थाना में पिछले दिनों हुई एक कार्यशाला में स्टेपी ईगल के मुद्दे पर गहन चिंतन और मनन किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भारत का प्रतिनिधित्व बीकानेर के पक्षी विशेषज्ञ डॉ. दाऊ लाल बोहरा ने किया। उन्होंने भारत में स्टेपी ईगल के वितरण क्षेत्र और प्रवास के दौरान इन पक्षियों को होने वाले खतरों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। भारत के साथ-साथ नेपाल, रूस, कज़ाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, इज़राइल, यूरोप, अर्मेनिया, अमेरिका और अफ्रीका जैसे देशों के रैप्टर विशेषज्ञों ने भी अपने सुझाव और अनुभव साझा किए। इस वैश्विक स्तर की योजना का मुख्य उद्देश्य स्टेपी ईगल की पूरी प्रवासी सीमा में लागू किए जाने वाले प्राथमिक संरक्षण उपायों की रूपरेखा तैयार करना था। इन उपायों में प्रभावी कानूनी संरक्षण, प्रमुख आवासों का संरक्षण, मौजूदा खतरों का समाधान और क्षमता निर्माण

- **रैप्टर्स एमओयू के तकनीकी सलाहकार समूह ने इस प्रजाति की तेजी से घटती संख्या को थामने के लिए वैश्विक कार्य योजना के निर्माण को प्राथमिकता दी**

की पहल जैसी महत्वपूर्ण जरूरतों को शामिल किया गया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य स्टेपी ईगल के वितरण क्षेत्र में इसके संरक्षण की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाने हेतु सहयोगात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था।

डॉ. बोहरा ने बताया कि 23-29 मार्च 2026 को होने वाले कॉप 15 में अनुमोदन के लिए एक एकल प्रजाति कार्य योजना प्रस्तुत की जाएगी। इस वैश्विक कार्य योजना का समन्वय वैज्ञानिक जेनी वेस्टन और अम्बर्टो गैलो ओरसी, सीएमएस रैप्टर्स एमओयू की समन्वय इकाई में कार्यक्रम प्रबंधन अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। स्टेपी ईगल और इस कार्य योजना के लिए चयनित विशेषज्ञों के एक नेटवर्क के साथ-साथ एक समर्पित कार्य समूह की स्थापना की जा रही है, जो इस संकटग्रस्त प्रजाति के संरक्षण को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करेगा। ठंडे स्थानों पर खतरे ज्यादा रूस, मध्य एशिया और मंगोलिया के प्रजनन स्थलों से शीतकालीन प्रवास के दौरान स्टेपी ईगल को भारत और अफ्रीका के उनके शीतकालीन क्षेत्रों में कई गंभीर खतरों का सामना करना पड़ता है। बिजली की लाइनों से करंट लगना और बुनियादी ढांचे से टकराना इनकी मृत्यु दर के प्रमुख कारण हैं।

डॉ. बोहरा के अनुसार पशु चिकित्सा में प्रयुक्त दर्द निवारक दवाओं से उपचारित जानवरों के शवों को खाने से होने वाली विषाक्तता भी एक गंभीर खतरा बनी हुई है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं जैसे विकास कार्यों के चलते आवास की हानि भी इनके लिए खतरा है, जिससे महत्वपूर्ण शीतकालीन क्षेत्र घटते जा रहे हैं। साथ ही, कृषि में प्रयुक्त कृंतक नाशकों के जरिए अप्रत्यक्ष विषाक्तता भी मृत्यु दर को बढ़ाती है, क्योंकि ईगल प्रदूषित भोजन का सेवन कर लेते हैं। इन शीतकालीन खतरों के साथ-साथ प्रजनन और प्रवास के समय आने वाले दबाव, इस संकटग्रस्त प्रजाति की सुरक्षा के लिए समन्वित वैश्विक संरक्षण रणनीतियों की अत्यंत आवश्यकता को उजागर करते हैं।

खड़े ट्रेलर में घुसे ट्रेलर में आग में लगी, चालक जिंदा जला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में गुरूवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि दर्दनाक हादसे में ट्रेलर ड्राइवर की जलने से मौत हो गई। हादसा अजमेर-दिल्ली हाईवे पर दौलतपुरा टोल के पास हुआ। यहां सड़क पर खड़े ट्रेलर को पीछे से दूसरे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे से आ रहे ट्रेलर में धमाके के साथ आग लग गई। आग में ट्रेलर जलकर खाक हो गया। हादसे के दौरान ड्राइवर को इतना भी समय नहीं मिला की वह ट्रेलर से निकल सके। ड्राइवर मौके पर जिंदा जल गया। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर दौलतपुरा, वीकेआई, बनीपार्क से दमकल पहुंची। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग को कंट्रोल किया गया।

पुलिस ने बताया कि एक ट्रेलर खाली था,जो मुख्य रोड़ पर खड़ा था। दिल्ली से अजमेर की ओर जा रहे ट्रेलर ने पीछे से खड़े ट्रेलर को टक्कर मारी। इस ट्रेलर में कोयला भरा हुआ था। सम्भवतया भिड़ंत ने ट्रेलर का डीजल टैंक फट गया। इसके बाद ट्रेलर ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते पूरा ट्रेलर जल कर राख हो गया। ट्रेलर में मौजूद चालक भी जिंदा चल गया। ट्रेलर के चेचिस नम्बर के आधार पर ट्रेलर मालिक की तलाश की जा रही हैं। जिसके बाद ही मृतक की पहचान हो पाएगी।

कटक गैंग सक्रिय

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में टकटक गैंग ने कार चालक का ध्यान भटका कर आईफोन पार कर लिया। लक्ष्य अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया कि वह 28 मई को बाजार से घर जा रहा था इसी दौरान ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के पास कार के आगे एक युवक आया गया। युवक ने दूसरी साइड में आकर बोला कि अभी तो वह उसे टक्कर मार देता। इसी दौरान चालक की तरफ आए युवक ने शीशा खटखटाया। इस पर चालक ने शीशा नीचे कर उससे बात करना शुरू ही कि थी कि कंडक्डर साइड में खड़ा युवक मोबाइल लेकर भाग गया।

अजमेर प्रशासन ने आनासागर झील के तीन गेट खोले

अजमेर, (कासं)। मानसून के दस्तक देने से पहले ही अजमेर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने पहल करते हुए आनासागर झील के तीन गेट खोल दिए हैं। हर साल आनासागर झील के ओवरफ्लो होने से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने समय रहते कदम उठाया है।

जिला प्रशासन का लक्ष्य

- **शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने पहल की**

आनासागर झील को तीन फीट तक खाली करना है, जिससे बारिश के दौरान झील में पानी भरने की पर्याप्त जगह रहे और ओवरफ्लो की स्थिति से बचा जा सके। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह और सिंचाई विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने गेट खोलने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि इस बार बारिश से पहले ही आनासागर झील के गेट खोल दिए गए हैं ताकि शहर में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि झील को तीन फीट तक खाली करने का लक्ष्य रखा गया है और सिंचाई विभाग के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में आनासागर झील के ओवरफ्लो होने से शहर के निचले इलाकों में पानी भर जाता है, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। इस समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने इस बार पहले से ही तैयारी कर ली है। इसके अलावा, नगर निगम ने भी शहर के नालों की सफाई का काम इस बार अपने हाथों में लिया है। निगम कर्मचारियों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में नालों की सफाई की है ताकि बारिश के पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके और जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। इस दौरान केएम जायसवाल, नगर निगम एसई मनोहर सोनगरा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पृथ्वी सिंह जोधा उपस्थित रहे।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 10 से अधिक वारदातें कबूली

सरवाड़, (निसं)। शहर में पुलिस ने चोरी की विभिन्न वारदातों के आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वहीं पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की एक दर्जन वारदातें करना कबूल किया है।

सरवाड़ थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी के अनुसार गत दिनों ग्राम सापुंदा निवासी मनोहर सिंह ने उसकी खातेदारी भूमि पर लगी सौर ऊर्जा की मोटर स्टार्टर तथा लाइट की मोटर चोरी

- **चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए पुलिस ने जांच शुरु की**

होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। मुखबिर की सूचना और अन्य जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने टोडारायसिंह थाना अंतर्गत ग्राम खेडुल्या निवासी प्रहलाद बावरी को गिरफ्तार किया गया। वहीं पूछताछ में उसने चोरी की विभिन्न वारदातें करना कबूल किया है। आरोपी ने बताया कि 21 अक्टूबर 2024 की रात्रि साथी धनराज मोग्या बनवारी व किशोर मोग्या के साथ मिलकर सापुंदा में एक कुएं से सौर ऊर्जा की डोरी काट कर ले जाना और तांबे के तार निकालकर टोडारायसिंह में कबड्डी की दुकान को बेचा व 22 अक्टूबर 2024 को ग्राम लल्लाई में पांच कुएं से धनराज बनवारी व किशोर के साथ मिलकर सौर ऊर्जा की प्लेट से लेकर मोटर की डोरी को काटकर तांबा निकालकर कबाड़ी को बेचा। वहीं सात-आठ माह पूर्व तीनों साथियों के साथ मिलकर ग्राम बरवास में सौर ऊर्जा के प्लेटों की चोरी कर कबाड़ी को बेचा, ऐसे अनेक वारदातें को अंजाम दिया है।

थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी ने बताया कि इन सभी वारदातों में चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए पुलिस गहनता से पड़ताल कर रही है। इस दौरान पुलिस टीम में थाना मोहनलाल कांस्टेबल जितेन्द्र व कमलेश शामिल रहे।

सरवाड़ पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

कक्षा पांच का परीक्षा परिणाम जारी, छात्राओं ने बाजी मारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शुक्रवार को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर के पंचायत समिति कार्यालय से प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन कक्षा पांच का परीक्षा परिणाम जारी किया। मंत्री दिलावर ने परीक्षा परिणाम जारी करने के पश्चात कहा कि राजस्थान प्रदेश में शिक्षा में नित नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने बेहतर परीक्षा परिणाम वाले समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की, साथ ही परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने में अहम योगदान देने वाले अध्यापकों व अन्य स्टाफ की भी सराहना की।

शिक्षा मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 5 की वर्ष 2025 की परीक्षा का आयोजन 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक राज्य के निर्धारित 18,598 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया। इस परीक्षा में कुल 13,30,190 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 12,96,495 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। कुल परीक्षा परिणाम 97.47 प्रतिशत रहा, जिसमें गत वर्ष की तुलना में लगभग 0.41 प्रतिशत की वृद्धि उपलब्धि रही है। कुल उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम में छात्रों का उत्तीर्णता का प्रतिशत 97.29 प्रतिशत रहा जबकि छात्राओं का 97.66 प्रतिशत रहा है। शिक्षा मंत्री दिलावर ने बताया कि छात्रों की तुलना में छात्राओं का परीक्षा परिणाम 0.37 प्रतिशत श्रेष्ठतर रहा है। प्रविष्ट समस्त परीक्षार्थियों में से कुल 2145 परीक्षार्थियों का परिणाम विभिन्न कारणों से रोका गया है, जिनका परिणाम पृथक से जारी किया जायेगा। कुल 31550 परीक्षार्थी एक या अधिक विषयों में पूरक श्रेणी में वर्गीकृत हुए हैं, जिनके लिए पूरक परीक्षा का आयोजन अगस्त माह में किया जायेगा। इस परीक्षा के परिणाम में परीक्षार्थियों की अंकतालिका में अंकों का अंकन न किया जाकर ग्रेड अनुसार ग्रेड तालिका जारी की जाती है।

विकास अधिकारियों की ली बैठक : शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री दिलावर ने कार्यक्रम के पश्चात पंचायत समिति कार्यालय में ही जिले के समस्त विकास अधिकारियों की बैठक ली। मंत्री दिलावर ने विकास अधिकारियों से पूर्णतया साफ एवं स्वच्छता वाली ग्राम पंचायतों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी समय में भीलवाड़ा जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन साफ-सफाई हो, पॉलिथीन या कचरा सार्वजनिक जगहों पर ना रहे एवं व्यर्थ में गंदा पानी रास्ते में ना भरा रहना सुनिश्चित करें।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर के पंचायत समिति कार्यालय में बैठक ली।

- **शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर पंचायत समिति कार्यालय से परीक्षा परिणाम जारी किया**
- **कुल उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम में छात्रों का उत्तीर्णता का प्रतिशत 97.29 प्रतिशत, जबकि छात्राओं का 97.66 प्रतिशत रहा**